ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पूरे विश्व के उद्योगपतियों का जमावड़ा यूपी में होगा, कार्यक्रम से पहले प्रमुख देशों में होगी ब्रांडिंग

दुनिया भर के निवेशकों को रिझाने की तैयारी

निवेश की राह

लखनऊ, विशेष संवाददाता। सौ दिन में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का सफल आयोजन के बाद अब यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट करेगा। इसमें दुनिया भर के निवेशक व बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा। योगी सरकार अब तक सबसे बड़ी मेगा इवेंट ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अगले साल कराने की तैयारी में है।

तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए यूपी की ब्रांडिंग शुरू हो गई है। छोटे बड़े निवेशकों ने अनुकूल माहौल के लिए राज्य पर भरोसा जताया है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी की ग्रोथ को राज्य की तरक्की से जोड़ कर दुनिया भर के निवेशकों को संदेश दे दिया है। माना जा रहा है कि इस मेगा इवेंट की नींव पर ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन होगा। इसके लिए व्यापक तैयारियां जल्द शुरू होंगी। ग्लोबल समिट के लिए योगी सरकार पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर के निवेशकों तक पहुंच कर बताएगी कैसे राज्य मजबूत इंफ्रांस्ट्रक्चर के साथ मजबूत अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है और देश के सबसे बड़े राज्य में निवेश उनके लिए फायदे का मौका है। राज्य में अभी निवेश कर रहीं विदेशी कंपनियां भी अपने अनुभव अच्छे बता रही हैं।

विदेशों में होंगे रोड शो: योगी सरकार की योजना विदेशों में रोड शो करने की है। अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, जर्मनी, फांस, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर व यूएई आदि देशों में सरकार के मंत्री व अधिकारियों का दल जाएगा और निवेशकों को यहां निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

03 ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी यूपी में योगी सरकार करवा चुकी है जिसमें कई लाख करोड़ का निवेश हुआ

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कराने से पहले औद्योगिक विकास संबंधी नीति में बदलाव किया जाएगा। अन्य सेक्टर की नीतियों में बदलती जरूरतों के हिसाब से संशोधन होना है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के कामयाब आयोजन से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

अरविंद कुमार, औद्योगिक विकास आयुक्त

उद्योग लगाने को अब निवेशक पूर्वांचल का कर रहे रुख

लखनऊ, विशेष संवाददाता। पश्चिमी यूपी के बाद निवेशकों का सबसे ज्यादा रुझान अब पूर्वांचल बन रहा है। यहां अब इलेक्ट्रानिक्स, खाद्य प्रसंस्करण से लेकर ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट लगने वाले हैं। तीसरी ग्राउन्ड ब्रेकिंग सेरेमनी में जिन निवेश प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई, उनमें 12 प्रतिशत यानी 290 निवेश प्रोजेक्ट पूर्वांचल के लिए हैं। इनके जरिए 9617 करोड़ रुपये का निवेश होने जा रहा है।

200 करोड़ से कम के निवेश परियोजनाएं (निवेश धनराशि करोड़ रुपये कोष्ठक में): अमेठी में अग्रहरी मसाला उद्योग (27.9), बहराइच में श्याम सखा फूड एंड बेवेरेज (20), बाराबंकी में गणपती एग्री बिजनेस (14), चंदौली में उज्ज्वल इंटरप्राइज़ (12.2), गोरखपुर में जीआरएल एडिबल (40), इंडिया ग्लईकोल (125), मुस्कान इंडस्ट्रीज़ (18.8), शाश्वत पावर टेक (10.7), कुशीनगर में श्याम रत्न फूड इंडस्ट्री (25), सुल्तानपुर में राजेश मिल्क एंड एडिबिल प्रोडक्टस (32), वाराणसी में पार्ले एग्रो (175), राजा उद्योग

290 निवेश प्रोजेक्ट

9617 करोड़ रु. निवेश

(42), तिरुपति बालाजी इंडुस्ट्रीज़ (18.7), बाराबंकी में गोदरेज ऐग्रोवेट (85), गोरखपुर में सीपी मिल्क एण्ड फूड प्रोडक्टस (118), प्रयागराज में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी (100), चंदौली में गोविंद पॉलीटेक्स (13.4), संत कबीर नगर में जानवी स्पिननर्स (11), बाराबंकी में हिल्टाप ट्रेडर्स (55), गोरखपुर में गैलेन्ट इंडस्ट्रीज़ (135), क्वॉर्ट्ज ओपलवेयर (120), तत्व प्लास्टिक्स पाइप प्रा लि (102), मिर्जापुर में आरएलजे इंफ्रा सिमेन्ट (145), बाराबंकी में हर्बोकेम इंडस्ट्रीज़ (18), राय बरेली में इनोक्स एयर प्रोडक्शंस (150), मिर्जापुर में जिंदल पाइप लि (50), प्रतापगढ़ में क्लीन सोलर रुफटॉप (50), अयोध्या में होटल जनक पैलेस (14.5), उषा रानी डेवलपर्स (16), गोरखपुर में ऐशप्रा सोल्युशंस (82.6), कॉन्टिनेन्टल डेवलपर्स (36.2), साकेत कुंज लैंडमार्क (35), प्रयागराज में होटल रामा कॉन्टिनेन्टल (10), वाराणसी में नवीन साड़ी केंद्र (22.5), बस्ती में एनसीएमएल बस्ती (92.6), देवरिया में एनसीएमएल (100), फतेहपुर में यूपी लोजिस्टिक्स (70)।

पूर्वांचल के कुछ जिलों में बड़े प्रोजेक्ट (करोड़ रुपये में)

जिला	निवेश	प्रोजेक्ट
गोरखपुर	819.81	गैलेन्ट (स्टील प्लांट)
गोरखपुर	702	केयान डिस्टिलरीज (एथानॉल)
अमेठी	700	एसएलएमजी बेवरेज (खाद्य प्रसंस्करण)
सोनभद्र	700	एसीसी (सीमेन्ट प्लांट)
मिर्जापुर	600	डालमिया भारत ग्रीन विजन (सीमेन्ट प्लांट)
देवरिया	200	फॉरेवर डिस्टिलरी का संयंत्र,
बाराबंकी	280	एसएलएमजी (बेवरेज)
महाराजगंज	400	शांति फाउंडेशन ट्रस्ट (चिकित्सा केंद्र)
गोरखपुर	250	ऐशप्रा लाइफस्पेस (आवासीय योजना)
मऊ	300	एएमपी एनर्जी (रिन्यूएबेल एनर्जी)
बलिया	450	एएमपी एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट)
आजमगढ	400	चित्रदुर्ग एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट)
फतेहपुर	350	अवाडा आरजे ग्रीन (नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट)

निवेश बढ़ने के कारण

- लखनऊ-गाजीपुर पूर्वांचल एक्स्प्रेसवे तय समय में चालू होना
- कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट,
- गोरखपुर में लंबे समय से बंद पड़े खाद कारखाने का पुनः संचालन
- राष्ट्रीय नहर परियोजना का पूरा होना
- स्वास्थ्य व चिकित्सा, शिक्षा, उच्च शिक्षा के नए संस्थान शुरू होना